

तेरे सिवा जहां में,कौन मददगार हुआ

तरज़-किसी नज़र को तेरा इंतज़ार आज भी है

तेरे सिवा जहां में,कौन मददगार हुआ
जब भी चाहा जिसे चाहा,तेरे प्रेम का तलबगार हुआ
तेरे सिवा जहां में,कौन मददगार हुआ
तेरे सिवा...

ज़माने भर की ठोकरें,खात्ते रहते हैं
तेरे ही नाम की रटना,लगाये रहते हैं
जब भी चाहा जिसे चाहा तेरे प्रेम का तलबगार हुआ
तेरे सिवा जहां में,कौन मददगार हुआ
तेरे सिवा...

हां प्रेम है मुझे तुझसें,ये मैंने माना है
ना रह सकुंगा तेरे बिन,ऐसा लगता है
जब भी चाहा जिसे चाहा,तेरे प्रेम का तलबगार हुआ
तेरे सिवा जहां में,कौन मददगार हुआ
तेरे सिवा...

नाम रसका पागल हुं मैं,कहे जमाना मुझे
धसका माया में है फंसा,आके छुड़ाओ मुझे
जब भी चाहा जिसे चाहा,तेरे प्रेम का तलबगार हुआ
तेरे सिवा जहां में,कौन मददगार हुआ
तेरे सिवा...

बाबा धसका पागल पानीपत
संपर्कसुत्र-7206526000

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35400/title/tare-siwa-jahan-me--kon-talabgar-hua>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |